

प्रेषक,

डा० हेमलता ढोंडियाल  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उद्योग,  
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 28 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता योजनान्तर्गत (अनुसूचित जनजाति उपयोजना) में धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5166/उनि०/स००००००/०६-०७ दिनांक 19 मार्च, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता, अनुसूचित जनजाति उपयोजनान्तर्गत धारचूला में इम्पोरियम भवन के निर्माण हेतु रु० 78.94 लाख की लागत के आगमन के विपरीत टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रुपये 69.90 लाख की धनराशि की लागत के आगमन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रथम किस्त के रूप में शासनादेश संख्या 4783/VII-1/333-उद्योग/2006 दिनांक 01 मार्च, 2007 द्वारा स्वीकृत रु० 50,00,000/- की धनराशि के अतिरिक्त आगमन की अवशेष धनराशि रु० 19,90,000/- (रु० उन्नीस लाख नब्बे हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि संबंधित को नियमानुसार उपलब्ध करायी जायेगी। व्यय में नितव्यता नितान्त आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। यह आर्पटन किस्ती ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो यह करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका/बजट मैन्युअल के नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त धनराशि का उपयोग भवन निर्माण/आवास संबंधित परिव्यय के अनुरूप ही किया जायेगा।

3- स्वीकृत की गयी धनराशि के विपरीत व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो दिनांक 31.03.2008 तक शासन को समर्पित किया जायेगा। व्यय उन्ही योजना/कार्यों पर किया जाय जिन कार्यों हेतु यह स्वीकृत किया जा रहा है। पूर्व स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराये जाने के बाद ही स्वीकृत की जा रही धनराशि व्यय की जायेगी।

स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश संख्या 4783/VII-1/333-उद्योग/2006 दिनांक 01 मार्च, 2007 में इंगित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-31, मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 04-उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता-00, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 398/XXVII(2)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1510(1)/VII-2/333-उद्योग/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून, पिथौरागढ़।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
- ✓ 7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

  
(डा० हेमलता ढोंडियाल)  
अपर सचिव।